वायरस को हराएँ, हार मत मानिये

पीयूषी झा
४ डी

त्यौहार हमारे देश का अभिन्नअंग है।भारत अपनी विविधता के लिए पहचाना जाता है।सभी एक दूसरे की संस्कृति का सम्मान करते हैं।इस महामारी ने हमारे त्योहारों को मनाने के तरीके को बदल दिया है।हालांकि, भावना उतनी ही मजबूत है और उत्साह कम नहीं है।

उदाहरण के लिए, पिछले साल हमने दुर्गा पूजा ऑनलाइन मनाई और अपना उत्साहव्यक्त किया।

हमें अपने त्यौहार मनाना चाहिए लेकिन यह नहीं कि हमलोगों के जीवन को खतरे में डालें। जो लोग कोविड दिशा-निर्देशों का पालन नहीं करते वे सच्चे भक्त नहीं हो सकते।

हमारे त्यौहार हमारी विविध संस्कृति का एक प्रमुख उदाहरण हैं।हमें लापरवाही दिखा कर उस संस्कृति को कलंकित नहीं करना चाहिए।

अगर हमें त्यौहार सचमें मनाना है तोह में इसे अपने घरों की सुरक्षा सेही करना चाहिए।इस तरह हम सुरक्षित रहेंगे और हम अपने प्रिय जनों को भी सुरक्षित रखेंगे।

इस के साथही हमें कभी भी विभिन्न त्योहारों के महत्व की तुलना नहीं करनी चाहिए क्योंकि हर त्यौहार खास होता है।

मेरा पसंदीदा पर्व दिवाली है।मैं इसे दोस्तों और परिवार के साथ मिल-जुल कर मानाती थी, लेकिन अब हम सामाजिक दूरी का पालन करके मनाते है।मैं दूसरों की भलाई के लिए ये आवश्यक बलिदान देने को तैयार हूं। नर सेवा ही नारायण सेवा होती है।